चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	04-3-23	03	4-6

एचएयू में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 10 मार्च से होगा शुरू

इस बार मेले का विषय 'प्राकृतिक खेती' होगा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 10 से 12 मार्च तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा एवं इस मेले का विषय 'प्राकृतिक खेती' होगा। कुलपति ने कहा कि प्राकृतिक खेती आज समय की मांग है। पर्यावरण सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य के लिए यह बेहतर कृषि पद्धति है। इससे भूमि की गुणवत्ता में सुधार होता है और किसानों की आमदनी भी बढ़ती है। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्राकृतिक खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी।

एचएयू में कृषि मेले को लेकर मीटिंग में कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते।

कृषि मेला ग्राउंड, गेट नं. 3 के सामने लगेगा मेला

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पहले की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट नं. 3 के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि, पशुपालन तथा गृह-विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी।

तीनों दिन चलेंगे हरियाणवी कार्यक्रम

सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग जारी है। यह बुकिंग एचएयू एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा, बागवानी विभाग, हरियाणा एवं चैम्बर ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज द्वारा किया जा रहा है। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित किए जा रहे हैं। किसानों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	04-3-23	01	2-4

एचएयू में 3 दिवसीय मेला 10 से

हरिभूमि न्यूज ›› हिसार

हिसार। मीटिंग में अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 10 से 12 मार्च तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। मेले की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने संबंधित अधिकारियों की मीटिंग लेकर दिशा-निर्देश दिए। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा एवं इस मेले का विषय प्राकृतिक खेती होगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती आज समय की मांग है। पर्यावरण सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य के लिए यह बेहतर कृषि पद्धति है। इससे भूमि की गुणवत्ता में सुधार होता है और किसानों की आमदनी भी बढ़ती है। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्राकृतिक खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति के अनुसार मेले में किसानों के साथ बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निमार्ता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त किसानों को इन मशीनों की कीमत तथा इनके निमार्ताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। इस मेले के दौरान मुख्यमंत्री प्रगतिशील किसान सम्मान योजना के तहत प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। मेले में पहुंचने वाले किसानों को लकी-ड्रॉ के तहत कृषि उपकरण वितरित किए जाएंगे। मेले के दौरान प्रतिदिन किसानों की भलाई के लिए सम-समायिक विषयों (कृषि में महिलाओं का योगदान, प्राकृतिक खेती, कृषि में ड्रोन तकनीक का प्रयोग, आदि) पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	04-3-23	02	3-5

एचएयू में हरियाणा कृषि विकास मेला 10 मार्च से

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) की ओर से 10 से 12 मार्च तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। मेले की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने संबंधित अधिकारियों की मीटिंग लेकर दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के साथ मिलकर किया जाएगा। इस मेले का विषय 'प्राकृतिक खेती' रहेगा। मेले में किसानों के साथ बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। मुख्यमंत्री प्रगतिशील किसान सम्मान

किसानों को मशीनों, यंत्रों और उनकी कार्य प्रणाली को जानने का मिलेगा अवसर

योजना के तहत प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। मेले में पहुंचने वाले किसानों को लकी-ड्रॉ के तहत कृषि उपकरण वितरित किए जाएंगे।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट नंबर 3 के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज व बायोफर्टिलाइजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी फसलें दिखाई जाएंगी। इस दौरान फसल प्रतियोगिताएं भी करवाई जाएंगी।

उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि, पशुपालन और गृह-विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी।

सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग जारी है। किसानों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	04-3-23	05	3-4

हकृवि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 10 से शुरू

हिसार, 3 मार्च (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 10 से 12 मार्च तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। मेले की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने संबंधित अधिकारियों की मीटिंग लेकर दिशा-निर्देश दिए। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा एवं इस मेले का विषय 'प्राकृतिक खेती' होगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती आज समय की मांग है। पर्यावरण सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य के लिए यह बेहतर कृषि पद्धति है। इससे भूमि की गुणवत्ता में सुधार होता है और किसानों की आमदनी भी बढ़ती है। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्राकृतिक खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति के अनुसार मेले में किसानों के साथ बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त किसानों को इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। इस मेले के दौरान मुख्यमंत्री प्रगतिशील किसान सम्मान योजना के तहत प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। मेले में पहुंचने वाले किसानों को लकी-ड्रॉ के तहत कृषि उपकरण वितरित किए जाएंगे। मेले के दौरान प्रतिदिन किसानों की भलाई के लिए सम-सामयिक विषयों (कृषि में महिलाओं का योगदान, प्राकृतिक खेती, कृषि में ड्रोन तकनीक का प्रयोग, आदि) पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट न. 3 के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि, पशुपालन तथा गृह-विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। इस अवसर पर उन्नत नस्ल के पशुओं की प्रदर्शनी तथा फसल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग जारी है। यह बुकिंग चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा, बागवानी विभाग, हरियाणा एवं चैंबर ऑफ इंडियन इंडस्ट्रिज द्वारा किया जा रहा है। किसानों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन हरियाणावी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। यहां उल्लेखनीय है कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हर साल मार्च में कृषि मेला आयोजित करता है जिसमें हरियाणा तथा पड़ोसी राज्यों से हजारों किसान भाग लेते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	04-3-23	01	7-8

हकृवि में 3 दिवसीय कृषि विकास मेला 10 से

हिसार, 3 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 10 से 12 मार्च तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा एवं इस मेले का विषय 'प्राकृतिक खेती' होगा।

मेले में आंगतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्राकृतिक खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएगी। इस मेले के दौरान मुख्यमंत्री प्रगतिशील किसान सम्मान योजना के तहत प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हांसी क्रांति	03.03.2023	-------	--------

हकृवि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 10 से शुरू

हांसी क्रांति न्यूज

हिसार, : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 10 से 12 मार्च तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। मेले की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने संबंधित अधिकारियों की मीटिंग लेकर दिशा-निर्देश दिए। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा एवं इस मेले का विषय 'प्राकृतिक खेती' होगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती आज समय की मांग है। पर्यावरण सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य के लिए यह बेहतर कृषि पद्धति है। इससे भूमि की गुणवत्ता में सुधार होता है और किसानों की आमदनी भी बढ़ती है। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्राकृतिक खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति के अनुसार मेले में किसानों के साथ बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त किसानों को इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। इस मेले के दौरान मुख्यमंत्री प्रगतिशील किसान सम्मान योजना के तहत प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। मेले में पहुंचने वाले किसानों को लकी-ड्रॉ के तहत कृषि उपकरण वितरित किए जाएंगे। मेले के दौरान प्रतिदिन किसानों की भलाई के लिए सम-सामयिक विषयों (कृषि में महिलाओं का योगदान, प्राकृतिक खेती, कृषि में ड्रोन तकनीक का प्रयोग, आदि) पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट न. 3 के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि, पशुपालन तथा गृह-विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। इस अवसर पर उन्नत नस्ल के पशुओं की प्रदर्शनी तथा फसल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग जारी है। यह बुकिंग चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा, बागवानी विभाग, हरियाणा एवं चैम्बर ऑफ इंडियन इंडस्ट्रिज द्वारा किया जा रहा है। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित किए जा रहे हैं। किसानों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन हरियाणावी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। यहां उल्लेखनीय है कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हर साल मार्च में कृषि मेला आयोजित करता है जिसमें हरियाणा तथा पड़ोसी राज्यों से हजारों किसान भाग लेते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ. छोर	03.03.2023	-------	--------

हकृवि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 10 से

नभ-छोर न्यूज ⏭ 03 मार्च

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 10 से 12 मार्च तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा एवं इस मेले का विषय प्राकृतिक खेती होगा। कुलपति ने कहा प्राकृतिक खेती आज समय की मांग है। पर्यावरण सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य के लिए यह बेहतर कृषि पद्धति है। इससे भूमि की गुणवत्ता में सुधार होता है और किसानों की आमदनी भी बढ़ती है। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्राकृतिक खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। इस मेले के दौरान मुख्यमंत्री प्रगतिशील किसान सम्मान योजना के तहत प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट न. 3 के सामने लगाया जाएगा। इस अवसर पर उन्नत नस्ल के पशुओं की प्रदर्शनी तथा फसल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हर साल मार्च में कृषि मेला आयोजित करता है जिसमें हरियाणा तथा पड़ोसी राज्यों से हजारों किसान भाग लेते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	03.03.2023	-------	--------

हकृवि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 10 से शुरू

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 3 मार्च। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 10 से 12 मार्च तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा एवं इस मेले का विषय 'प्राकृतिक खेती' होगा। कुलपति ने कहा प्राकृतिक खेती आज समय की मांग है। पर्यावरण सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य के लिए यह बेहतर कृषि पद्धति है। इससे भूमि की गुणवत्ता में सुधार होता है और किसानों की आमदनी भी बढ़ती है। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्राकृतिक खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति के अनुसार मेले में किसानों के साथ बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनें, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त किसानों को इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। इस मेले के दौरान मुख्यमंत्री प्रगतिशील किसान सम्मान योजना के तहत प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। मेले में पहुंचने वाले किसानों को लकी-ड्रॉ के तहत कृषि उपकरण वितरित किए जाएंगे। मेले के दौरान प्रतिदिन किसानों की भलाई के लिए सम-सामयिक विषयों (कृषि में महिलाओं का योगदान, प्राकृतिक खेती, कृषि में ड्रोन तकनीक का प्रयोग, आदि) पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट न. 3 के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग जारी है। यह बुकिंग चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा, बागवानी विभाग, हरियाणा एवं चैम्बर ऑफ इंडियन इंडस्ट्रिज द्वारा किया जा रहा है। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित किए जा रहे हैं। किसानों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। यहां उल्लेखनीय है कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हर साल मार्च में कृषि मेला आयोजित करता है जिसमें हरियाणा तथा पड़ोसी राज्यों से हजारों किसान भाग लेते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक-पक्ष	03.03.2023	-------	--------

एचएयू के छात्र सोनू का आस्ट्रेलिया की डब्ल्यूएसयू में पीएचडी के लिए चयन

ट्यूशन फीस में छूट के साथ सालाना 30 हजार आस्ट्रेलियन डॉलर की मिलेगी छात्रवृति

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 3 मार्च : चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय के छात्र सोनू का चयन आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में पीएचडी डिग्री में हुआ है। पाठ्यक्रम के दौरान छात्र सोनू को ट्यूशन फीस में छूट के साथ सालाना 30 हजार आस्ट्रेलियन डॉलर की छात्रवृति भी मिलेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने इस उपलब्धि पर छात्र सोनू के चयन पर बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सोनू वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में डॉ. धारामा हेंगरे के मार्गदर्शन में कृषि में अपशिष्ट जल का उपयोग विषय पर शोध करेंगे ताकि लगातार बढ़ती हुई जनसंख्या को शुद्ध पानी उपलब्ध करवाना और कृषि में पानी की कमी को पूरा कर दुष्प्रभावों से बचाया जा सकें। इस शोध से वर्तमान समय में जल संरक्षण में मदद मिलेगी। कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने कहा कि छात्र सोनू का आस्ट्रेलिया के शीर्ष विश्वविद्यालय में चयन होना गौरव की बात है। यह विश्वविद्यालय में अपनाए जा रहे उच्च शैक्षणिक व अनुसंधान मानकों का प्रतीक है। विश्वविद्यालय लगाातार विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास व अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजन में प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि एचएयू विश्व स्तर के विश्वविद्यालयों में शुमार है क्योंकि न केवल यहां के विद्यार्थी विदेशों में पढ़ाई के

लिए जाते हैं बल्कि विदेशी छात्र भी यहां पढ़ाई के लिए आते हैं। उन्होंने कहा कि एचएयू के विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नवीन तकनीकों में प्रशिक्षित करने के प्रयास में विश्व प्रसिद्ध अनेक विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों के साथ अनुबंध किए है। छात्र सोनू ने बताया कि इस उपलब्धि का श्रेय एडवाइजर डॉ. संजय कुमार और उप निदेशक स्वर्गीय सुल्तान सिंह को दिया। उन्होंने बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल, सांस्कृतिक, विभिन्न संगठन कमेटी, केंद्रीय अनुशासन कमेटी, ईलपी प्रोग्राम और एनसीसी की गतिविधियों में बढ़चढ़कर भाग लिया है। छात्र सोनू ने अंतरराष्ट्रीय स्तर का मंच देने पर विश्वविद्यालय का धन्यवाद किया। इस मौके पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा व सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय एहलावादी व मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य मौजूद थे।